JAI-19070401011800 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) Examination

November - 2019

Hindi : *Core-102*

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ प्रेमचन्दजी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ उपन्यास कला के तत्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ रमानाथ का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

अथवा

२ 'गबन' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''नहीं प्रिय, यह जगह ऐसी नहीं कि गरीबों का गला काटना पड़े ।'' बड़े–बड़े महाजनों से राज में मिलेगी और वह खुशी से गले लगायेंगे ।''

(२) ''मरना–जीना तो संसार की गति है, लेते हैं वह भी मरते हैं नहीं लेते वह भी मरते हैं । अगर तुम चाहो तो छः महीने में सब रूपये चुका सकते हो ।''

(३) ''तो मैं तुमसे गहनों के लिए रोती तो नहीं हूँ । भाग्य में जो लिखा था, वह हुआ । आगे भी वही होगा जो लिखा है । जो औरतें गहने नहीं पहनती, क्या उनके दिन नहीं कटते ?''

(४) ''पर्दा तो एक दिन खुल ही जायेगा, पर इतनी जल्दी खोल देने का नतीजा यही होगा कि वह हमें नीच समझने लगेगी । शायद अपने घर वालों को भी लिख भेजे । चारों तरफ बदनामी होगी ।''

(५) ''गरीब अपनी ही लगाई हुई आग में जला जाता है । अगर वह जानता कि उन डींगों का यह फल होगा तो वह जबान पर मुहर लगा देता ।''

४ 'ग़बन' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

अथवा

४ जालपा का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

५ उपन्यास के तत्वों पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ 'ग़बन' उपन्यास का संदेश स्पष्ट कीजिए । १०